

monitoring cells. At the State Government level also, there is a monitoring cell. The Chief Minister is supposed to have a meeting of the different administrative Ministries which are supposed to be in charge of implementation of different programmes. At the district level also, we have given the guidelines that they should constitute district monitoring cells wherein the Members of Parliament, the Members of the State Legislature and the Panchayati Raj institutions may also be associated so that the quality of implementation may improve.

श्री मीर्जा इशान्वेग एयुववेग : मान्यवर उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि क्या उनके पास इस चीज का ब्यौरा है कि हरिजन आदिवासी के अतिरिक्त जितनी आर्थिक रूप से पिछड़ी जातियाँ हैं वे कितने लोग हैं इस देश में जो कि पावर्टी लाइन के नीचे अपना जीवन बसर कर रहे हैं और ऐसे लोगों को ऊपर उठाने के लिये कोई विशेष सुविधा या विशेष कार्यक्रम नजदीक के दिनों में आपके पास कोई है ?

श्री एस० बी० चव्हाण : आप अगर इस सवाल का जो जवाब दिया गया है उसको ठीक ढंग से पढ़ें तो आपको पता चलेगा कि उसके अन्दर यह सब इन्फार्मेशन दी गई है। लेकिन इसमें मैं अलग ढंग से यह नहीं बता सकता हूँ कि इकनोमिकली बँकवर्ड लोगों की संख्या कितनी होगी। इसमें शेड्यूल्ड कास्टस भी हैं, शेड्यूल्ड ट्राइब्स भी हैं, इकनोमिकली बँकवर्ड लोग भी हैं और जिन लोगों की हालत पावर्टी लाइन के कंसेप्ट के नीचे आती है उन लोगों की संख्या इसके अन्दर दी गई है।

श्री सत्य पाल मलिक : श्रीमान, प्रश्न का दायरा कुछ व्यापक हो गया

है। इसलिए मैं एक प्रश्न पूछना चाहता हूँ। क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि गरीबी की रेखा की परिभाषा योजना आयोग के मुताबिक जो है, क्या सरकार भी उसी को मानती है और गरीबी की रेखा की परिभाषा क्या है ?

श्री एस० बी० चव्हाण : मैं समझता हूँ कि कई मर्तबा इस हाउस के अन्दर कहा गया है कि कैलोरी इन्टेक इसका बँस है ? हरल एरियाज के अन्दर 2400 कैलोरीज, इतना फूड लेने के लिए जो उसका खर्चा होता है उसको सामने रखा जाता है और अरबन एरियाज के अन्दर यह 2100 कैलोरीज है। इन मात्राओं में कैलोरीज प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की श्रेणी के मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय को रँज के मध्य बिन्दु स्तर से कम उपभोग वाले व्यक्ति गरीबी रेखा के नीचे माने जाते हैं।

*147. [The questioners (Shri Mukh-tiar Singh and Shri Vithalrao Madhavrao Jadhav) were absent. For answer, vide col. 37-39 infra.]

*148. [The questioner (Shri Jaga-dish Jani) was absent. For answer, vide col. 39-40 infra.]

*149. [The questioners (Shri M. Kalyanasundaram and Shri F. M. Khan) were absent. For answer vide col. 40-43 infra.]

देश में उद्योगों का स्थापित किया जाना

*150. श्री राम चन्द्र विक्रम : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन देशों के नाम क्या हैं जिनके साथ देश में उद्योग स्थापित करने के लिए जनवरी, 1984 से 31 मार्च, 1984 के दौरान सहयोग सम्बन्धी समझौते किए गए हैं

(ख) उन राज्यों के नाम क्या हैं जहाँ इन उद्योगों के स्थापित किए जाने की संभावना है तथा वहाँ कौन-कौन से उद्योग लगाए जाएंगे ;

(ग) क्या केन्द्रीय सरकार को उत्तर प्रदेश में कुछ विशेष उद्योग स्थापित करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है ;

(घ) यदि हाँ, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) सरकार ने उस पर क्या निर्णय किया है ;

उद्योग मंत्री (श्री नारायण दत्त तिवारी) : (क) और (ख) जनवरी, 1984 से मार्च, 1984 की अवधि में 157 विदेशी सहयोग प्रस्ताव स्वीकृत किये गये थे। भारतीय कंपनी का नाम, विदेशी कंपनी का नाम, उत्पादन की वस्तु, सहयोग का प्रकार तथा उस राज्य का नाम जिसमें उद्योग स्थापित किये जाने की संभावना है, का विस्तृत ब्यौरा बताने वाला विवरण समा-पटल पर रखा जाता है [देखिये परिशिष्ट C X X X, अनुपत्र संख्या 7]

(ग) से (ङ) प्रश्न में प्रयुक्त "विशेष उद्योग" की ठीक-ठीक परिभाषा न होने के कारण इस भाग का स्पष्ट उत्तर दे पाना संभव नहीं है।

श्री राम चन्द्र विकल : श्रीमन, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि जो विदेशों से, बाहरी देशों से, उद्योग लगाने के संबंध में यहाँ विभिन्न राज्यों में शर्तें तय की जाती हैं वे कौन-कौन सी शर्तें हैं और किस देश के साथ क्या-क्या शर्तें रखी गई हैं ?

श्री नारायण दत्त तिवारी : श्रीमन, ये 157 जो समझौते हुए होंगे, ये अलग

अलग राज्यों में अलग अलग टेक्नोलोजी के आधार पर अलग अलग बातों पर हुए होंगे। सामान्यतः शर्तें वही होती हैं जो हमारी सामान्य नीति पर आधारित होते हैं। मैं माननीय सदस्य को यह आश्वस्त कर सकता हूँ कि ये शर्तें हमारे उद्योगों के हित में होंगी... (व्यवधान) ये 157 समझौते हैं उनके संबंध में मेरे पास इस समय ब्यौरेवार सूचना नहीं है।

श्री राम चन्द्र विकल : आपने यह बताया कि शर्तें लम्बी हैं। लेकिन मैं कहता हूँ कि आप संक्षेप में दो चार के बारे में बता दीजिये।

श्री उपसमापति : एक समझौता नहीं है, 157 एपीमेंट्स हैं। वे कहां तक उनका जवाब देंगे ? आप दूसरा सवाल पूछिये।

श्री राम चन्द्र विकल : मैं यह पूछना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से किन उद्योगों को लगाने की मांग आई है और उस पर सरकार ने विदेशों के संबंध में क्या विचार किया है ?

श्री नारायण दत्त तिवारी : उत्तर प्रदेश शासन की तरफ से समय समय पर जो उसकी कारपोरेशन्स हैं वे लायसेंस के लिए आशय-पत्र और आवेदन देते रहते हैं और समय समय पर मुख्य मंत्री या उद्योग मंत्री या संबंधित मंत्री उसके संबंध में पत्र-व्यवहार संबंधित मंत्रालयों से करते रहते हैं। माननीय सदस्य ने जो यह सूचना मांगी है उसके संबंध में वे देखेंगे कि 157 आशय पत्रों में, समझौतों में, 11 उत्तर प्रदेश में हुए हैं।

SHRI R. MOHANARANGAM. Sir, the Minister has stated that more than 157 approvals are there for setting up of the industries in different parts of

the country. I would like to know whether there is any possibility of setting up some industries in Tamil Nadu since the southern States are industrially backward. Is there any possibility of starting an industry in Tamil Nadu?

SHRI NARAYAN DATT TIWARI: The hon. Member may see the statement and if he has got a copy of the statement with him, he will find that out of these 157 approvals, 19 are for Tamil Nadu.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Next question.

*150. [The questioners (Shri J. P. Goyal and Shri Santosh Kumar Sahu were absent. For answer, vide Col. 43-44 infra.]

*151. [The questioner (Shrimati Kanak Mukherjee) was absent. For answer, vide col. 44-45 infra.]

Third Antarctica Expedition

◆152. SHRI S. W. DHABE:
SHRI SURESH KALMADI:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

- (a) what is the total expenditure incurred on the third Antarctica expedition;
- (b) what are the achievements of the expedition;
- (c) whether there was an accident of an IAF MI-8 helicopter and whether it plunged into the sea during the expedition; and
- (d) if so, what are the causes of the accident and whether any occupants were hurt?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, ATOMIC ENERGY, SPACE, ELECTRONICS AND OCEAN DEVELOPMENT (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): (a) The esti-

The question was actually asked on the floor of the House by Shri S. W. Dhabe.

mated expenditure on the venture including setting up of the permanent station is of the order of Rs. 5 crores.

(b) During the course of this expedition, a permanently manned Indian Research Station with working laboratories has been set-up. This is being operated by 12 persons including 3 scientists. Further valuable scientific data have been collected in oceanography, geology, glaciology, geophysics, meteorology, chemistry, biology and communication studies.

(c) Yes Sir.

(d) According to the Court of Enquiry, the *prima facie* cause of the accident was partial loss of engine power of the right engine at the most critical juncture of height and take off conditions. No occupant of the helicopter was hurt, although some received minor injuries.

SHRI S. W. DHABE: May I know from the hon. Minister as to when was this laboratory set up? This is the third expedition. There have already been two expeditions. I want to know whether this research laboratory has been there from the beginning or it has been set up only now and what kind of research is being carried out in that laboratory.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: When the first expedition went to Antarctica they surveyed the area and some instruments were left there. The second expedition again surveyed the area and retrieved the instruments left earlier but again left some more instruments. In the third expedition, they established the laboratory and as has been stated in my answer, some scientists and others have been left there—12 of them are there—and they are carrying on experiments in different fields, in oceanography, geology, glaciology and even flora and fauna. They would be collecting information, they would be analysing;